एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई के दीक्षांत समारोह में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का सम्बोधन

भारत और विश्व में विख्यात एसआरएम विश्वविद्यालय के इस कैंपस में आज वर्ष 2022 के दीक्षांत समारोह में, मैं सबका हार्दिक अभिनन्दन करता हूं।

भारत का यह मनोरम नगर चेन्नई समुद्र तट पर बसा है। प्रतिष्ठित एसआरएम संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने विज्ञान, टेक्नोलॉजी, रिसर्च और अन्य क्षेत्रों के अंदर अपने शोध और विज्ञान से, अपने तकनीकी ज्ञान से आईटी सेक्टर में भारत का गौरव बढ़ाया है। विश्व में यहां के नौजवान विद्यार्थियों ने अपने शोध, इनोवेशन, कार्य और अपने विचार से भारत का सम्मान बढ़ाया है। मैं सभी विद्यार्थियों को धन्यवाद देता हूं।

इस राज्य में विभिन्न सभ्यताओं और विभिन्न संस्कृतियों ने जन्म लिया है। आज भी देश और दुनिया में यहां की सभ्यता और संस्कृति अपने आप में पूरे विश्व और देश को दिशा देने का काम करती है।

मुझे खुशी है कि मैं जिस कैंपस में आया हूं, जिस स्वच्छता अभियान को भारत के प्रधानमंत्री जी और पूज्य बापू जी ने पूरे देश में चलाया, पूरे देश के विश्वविद्यालयों में आप सभी विद्यार्थियों की कर्मशीलता की वजह से इस

विश्वविद्यालय को स्वच्छ और हरा भरा होने के कारण प्रथम स्थान हासिल हुआ है।

मैं एसआरएम यूनिवर्सिटी के चांसलर और मेरे साथी डॉ पारिवेन्धर को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने अपनी जिन्दगी की शुरूआत एक शिक्षक के रूप में की। इंजीनियरिंग शिक्षक के रूप में, आपने शिक्षा जैसा पुनीत कार्य कर इसे एक वटवृक्ष के रूप में बनाया। आज भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के अंदर इस विश्वविद्यालय ने अपने नाम को प्रतिष्ठित किया है।

इस विश्वविद्यालय के अंदर विभिन्न संकाय के विद्यार्थी पढ़ते हैं। इंजीनियरिंग और तकनीकी संकाय में इस विश्वविद्यालय और इसके अन्य कैम्पस में सबसे ज्यादा विद्यार्थी पढ़ते हैं। विज्ञान, कला, मेडिसिन, मैनेजमेंट, कानून, कृषि विज्ञान और अन्य कई क्षेत्रों के अंदर यहां पर कई फैक्लटीज के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पढ़ते हैं। जो विद्यार्थी आज उपाधि प्राप्त करेंगे, मैं उनको बधाई देता हूं। विशेष रूप से इस विद्यालय के डीन और प्रोफेसर, जिनके मार्गदर्शन के कारण आज सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में आपको उपाधि मिली है।

आपके मातापिता ने आपको पैदा किया-, अच्छे संस्कार दिए, अच्छे विचार दिए, जिनके मार्गदर्शन के कारण ही आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण हुआ है। जब आपको उपाधि मिलेगी तब आप एक नई जिन्दगी की शुरूआत करेंगे।

आपने अपनी औपचारिक शिक्षा जरूर पूरी कर ली है, लेकिन शिक्षा, अध्ययन, शोध और ज्ञान, यह जीवन की लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। आज आप औपचारिक शिक्षा के बाद जिन संकल्पों व लक्ष्यों को लेकर यहां आए थे, जिन सपनों को लेकर यहां आए थे, आपने जो कुछ भी ज्ञान अर्जित किया, उस ज्ञान के आधार पर उन संकल्पों और सपनों को पूरा करने में आपकी शिक्षा और ज्ञान, आपका आत्मविश्वास, आपकी कार्य करने की प्रेरणा आपको नई ऊर्जा देगी ताकि आने वाले दौर में आप जहां भी जाएंगे, आपने जो कुछ भी सीखा, अपनी पसर्नेलिटी को डेवलप किया, आने वाले जीवन में आपको एक नया मार्गदर्शन का रास्ता बताएगा।

आप सभी का सौभाग्य है कि आप 21वीं सदी में अध्ययन कर रहे हैं। 21वीं सदी भारत के नौजवानों की सदी है, 21वीं सदी भारत के नवनिर्माण की सदी है, 21वीं सदी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की सदी है। 21वीं सदी के अंदर आपको विज्ञान, टेक्नोलॉजी, नई सोच और नए रिसर्च के कई संसाधन मिले हैं, आपको टेक्नोलॉजी के नए साधन मिले हैं और आने वाले समय में 5जी टेक्नोलॉजी भी मिलेगी।

भारत का नौजवान बौद्धिक क्षमता से, नये इनोवेशन से, नये शोध, नये विचार और नये आत्मविश्वास से दुनिया की हर चुनौती का समाधान निकालने का काम करेगा। यह काम भारत का नौजवान विद्यार्थी ही करेगा।

देश और दुनिया की बड़ी बड़ी कंपनियों का समाधान इन जैसे विश्वविद्यालयों के कैम्पस से निकलना है। यह दौर एसआरएम विश्वविद्यालय ने शुरू किया है, मुझे आशा है, आपके पास जो अवसर और संभावना है, उन अवसरों और संभावनाओं का पर्याप्त लाभ उठाते हुए, हमें इस देश और दुनिया के अंदर बदलती परिस्थितियों के अंदर अपने आप को सर्वश्रेष्ठ बौद्धिक क्षमता, कड़ी मेहनत और परिश्रम से दुनिया के अंदर स्थापित करना है। यह भावना आपके मन में होनी चाहिए कि मैं ही सबसे आगे रहूंगा, मुझे ही दुनिया के इस परिवर्तन दौर का नेतृत्व करना है, मुझमें ही वह क्षमता है, इस आत्मविश्वास के साथ आपको इस कैम्पस से बाहर निकल कर देश और दुनिया की चुनौतियों का समाधान करना है। यह मानकर आप इस संकल्प के साथ इस विश्वविद्यालय से निकलेंगे।

आने वाले समय के अंदर हम अपने आप को श्रेष्ठता के आधार पर सर्वश्रेष्ठ रिसर्च और इनोवेशन के आधार पर दुनिया के अंदर अपने को प्रस्तुत कर सकते हैं। आने वाला समय अब पैकेज का समय नहीं है। वह समय था, जब विश्वविद्यालय के अंदर विद्यार्थी पढ़ता था, किस विश्वविद्यालय में कितना पैकेज मिलता है या प्लेसमेंट कितना होता है। आज एसआरएम विश्वविद्यालय ने इस विचार को पलटा है।

दुनिया की जो महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं, चाहे जलवायु परिवर्तन हो, क्लीन एनर्जी हो, एग्रीकल्चर सैक्टर हो, हैल्थ सैक्टर हो, उन सब चुनौतियों का सामना करने के लिए एसआरएम में पढ़ने वाला विश्वविद्यालय का विद्यार्थी

नए इनोवेशन कर रहा है, नई रिसर्च कर रहा है और भारत इन चुनौतियों का समाधान करने का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

आज चाहे जलवायु परिवर्तन हो, क्लीन एनर्जी हो, हैल्थ सैक्टर हो, हमने अपना वैक्सीनेशन डेवलप करके दुनिया को कोरोना जैसी चुनौतियों का सामना करके बताया। एग्रीकल्चर सैक्टर ले लें, हर सैक्टर के अंदर भारत के नौजवानों की बौद्धिक इनोवेशन क्षमता के कारण आज हम दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं और उन चुनौतियों के समाधान का रास्ता भी भारत के नौजवान विद्यार्थी बता रहे हैं, यह बहुत खुशी की बात है।

आज हमें गर्व होता है कि दुनिया के अंदर सबसे बड़े लोकतंत्र भारत ने लोकतंत्र को दिशा देने का काम किया है। भारत का लोकतंत्र आजादी के बाद का लोकतंत्र नहीं है। दुनिया में भारत का लोकतंत्र सबसे प्राचीनतम लोकतंत्र है। हमारी परंपराएं, हर कार्य, सामूहिक संस्कृति, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत रही हैं।

हमें समझना होगा कि भारत के लोकतंत्र की क्या क्या विशेषताएँ हैं और भारत के लोकतंत्र में देश का नौजवान सक्रिय भागीदारी, जन भागीदारी निभाकर किस तरीके से भारत के नवनिर्माण में और भारत के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में योगदान दे सकता है।

आप सब नौजवानों को देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं से निकट का संबध रखना है। हम लोकतंत्र के माध्यम से समाज में सामाजिक-आर्थिक

परिवर्तन करके नए भारत और विकसित भारत के निर्माण का जो हमारा सपना है, उसे तभी पूरा कर सकते हैं, जब हमारे नौजवान इस लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

नौजवान साथियो, इस 75 वर्ष की लोकतंत्र की यात्रा में हमने कई कानून बनाकर जनता को व्यापक अधिकार दिए हैं। भारत की जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा कानून बनाए जा रहे हैं, जिससे मुझे लगता है कि आने वाले समय के अंदर हम अपनी पारदर्शी और जवाबदेही शासन व्यवस्था में और अधिक विस्तार कर पाएंगे। पारदर्शी, जवाबदेही और भ्रष्टाचार मुक्त शासन व्यवस्था खड़ी करके विकसित भारत की ओर बढ़ने के संकल्प को पूरा कर पाएंगे।

मेरा आपसे इतना ही आग्रह है कि आप इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं। आपकी कानून बनाने में सक्रिय भागीदारी हो और आप चुने हुए जनप्रतिनिधियों को इनपुट दें। कानून जितना बढ़िया और बेहतर बनेगा, उतना ही बेहतर शासन होगा और उतनी ही बेहतर शासन व्यवस्था होगी।

कानून जनता के लिए बनते हैं, जनता के हित में बनते हैं, इसलिए कानून बनने में, पॉलिसी बनने में, नीतियां बनाने में और नीतियों के निर्माण बाद उनके एग्जीक्यूशन में आपकी सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी एक सुझाव पोर्टल खोला है, जिसमें देश का आम आदमी, देश का नौजवान अपने विचारों को, अपनी सोच को माननीय प्रधान मंत्री जी तक पहुंचा सकता है। इससे हम बेहतर शासन व्यवस्था लागू कर सकते हैं। इस बेहतर शासन व्यवस्था के अंदर हमारे देश के नौजवानों की सक्रिय भागीदारी सबसे आवश्यक है, इसलिए मैं आज एसआरएम विश्वविद्यालय के इस कैम्पस में आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि भारत के नौजवान लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जितनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे, उतनी ही बेहतर शासन व्यवस्था होगी और हम जिन लक्ष्यों को लेकर चले हैं, जिन सपनों को लेकर आजादी के दीवाने चले थे, उन सपनों को पूरा कर पाएंगे। मेरा आपसे आग्रह है कि लोकतांत्रिक प्रकिया में आपकी सक्रिय भागीदारी रहनी चाहिए।

दुनिया की चुनौतियों का समाधान निकालने वाला एक देश हो, तो वह भारत हो। यह तभी संभव हो पाएगा जब आप जैसे नौजवान विद्यार्थी संकल्प, सामूहिक शक्ति, सम्पूर्ण सामर्थ्य और कड़ी मेहनत से भारत की 25 वर्ष के आगे की कार्य योजना बनाएंगे।

मैं एक बार फिर सभी विद्यार्थियों को, जिनको आज यहां उपाधि प्राप्त हुई है, शुभकामनाएं देता हूँ। आपके सपने, आपके संकल्प पूरे हों। इस कैम्पस को देखकर, शिक्षण व्यवस्था को देखकर, संस्कृति, संस्कार और सामूहिक संकल्प शक्ति को देखकर खुशी हुई।

आप सबको धन्यवाद।